

## B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination

March/April -2019 (New Course)

## SANSKRIT P3: DANDIRACHIT-DASHAKUMAR CHARIT (UCHCHHAVAS-6)(CORE)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

## Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१(अ) नीचेना गधषंडीनुं भाषांतर करो (डीएपष ढे) (०८)

Que-1(A) Translate Paragraph of following (Any two). (08)

- (१) अस्ति त्रिगर्ता नाम जनपदः। तत्रासंगृहिणस्तायः स्कीतसारधनाः सोदर्या धनक - धान्यक - धन्यकारव्याः। तेषु जीवत्सु न वर्ष वर्षीया द्वादश दशशताक्षः क्षीणसारं सस्यमं, औषध्यो वन्दयाः, न फलवन्तो वनस्पतयः। कलोबा मेघाः, क्षीपस्तोतसः स्तवन्तयः, पंकशेषापि पलवलानि, निनिस्पन्दान्युत्समाडिलानि विरलीभूतं कन्दमूल जलम्, अवहीना कथाः गलिता कलपाप उत्सवक्रियाः।
- (२) किमियं लक्ष्मीः। नहि नहि तस्याः किल हस्ते विन्यस्त कमलं, अस्यास्तु हस्त एव कमलम्। मूक्तपूर्वासाडसौ पूरातनेन पूसा पूर्वराजैश्च, अस्या पुनरनवर्धमयातयामं च यौवनम्। इति चिन्त्यत्येव मपि साडनधसर्वगात्री व्यत्यस्त हस्त पललवांग्र स्पृष्टभूमिरालोल नीलकुटिला लका सविभ्रमं भगवतीमभिवन्द्य कन्दुकम मन्दराग रूपिताक्षमनऽटमिवालम्बत।
- (३) रत्नवती - न मेतव्यम्। ब्रुहि नेयं निधिपतिदत्तकन्या कनकवती। वलभ्यामेव गृहगुप्तदुवितो रत्नवती नामेयं दत्ता पितृभ्यां मया च न्यापोढा। न चेतप्रतीय प्रणिधि प्रहियुतास्या बन्धुपाश्र्वर्म इति। बलभयस्तु तयोक्तवा श्रेपीप्रतिव्येन तावदेवातिष्ठ र्धोवतत्पुर लेख्य लब्ध वृत्तान्तो। गृहगुप्तः खेटकपुरमागत्ये सह जामात्रा। दुहितरमतिप्रीत प्रत्यनैषीत।
- (४) अस्ति शूरशेनेषु मथुरा नाम नगरी। तत्र कश्चित्कुल पुत्रः कलासु गपिकासु वातिरकतः। मित्रार्थ स्वभुज मात्र निर्व्यूढानेक कलहः कलहकंटक इति कर्कशैः रभिरव्यापितारव्यः प्रत्यावात्सीत्। स चैकदा कस्पविदागन्तोश्चित्रकारस्य हस्ते चित्रपटं ददर्श। तत्र काचिदालेखगता युवतिरालोक मात्रैपैव कलहकण्टकस्य कामातुरं चेतश्चकार।

प्रश्न-१(ब) पूर्वापर संदर्भ आपी समजावो. (डीएपष ढे) (०६)

Que-1(B) Explain with reference to the context (Any two) (06)

- (१) अन्यथापि सिद्धं नः समीहितम्।
- (२) सेयमाकृतिर्न व्यमियरति शीलम्।
- (३) भगवती! पतिरेव दैवतं वनितानाम।
- (४) अवसरेषु पुष्कलः पुरुषकारः।

प्रश्न-२ ढंडीना जिवन अने कवन विशे विस्तृत नोध वषो- (१४)

Que-2 Write detail note on life and work of दण्डि. (14)

अथवा/OR

प्रश्न-२ दशकुमारचरितना आधारे ढंडीनी गधशैलीनुं मूल्यांकन करो.

Que-2 According to दशकुमारचरितम् evaluate the prose style of दण्डि.

प्रश्न-३ कथा अने आप्यायिकाना वक्षषो आपी दशकुमारचरितनुं साडित्यिक स्वरूप यर्यो. (१४)

Que-3 Describe the characteristics of कथा and आख्यायिका discuss the literary form of the दशकुमारचरितम्। (14)

अथवा/OR

प्रश्न-३ दशकुमारचरितना छष्टा उच्छवासनुं रसदर्शन करो.

Que-3 Appreciate the षष्ठ उच्छवास of दशकुमारचरितम्।

प्रश्न-४ दशकुमारचरितना कतृत्वना प्रश्ननी यर्यो करो. (१४)

Que-4 Discuss the problem of authorship of the दशकुमारचरितम्. (14)

अथवा/OR

प्रश्न-४ कंदुकावतीनी कुदकडिडा पर नोध वषो.

Que-4 कन्दुकक्रीडा of कन्दुकावती - Write the note.

प्रश्न-५ नीचेनामांथी डीएपष ढे पर टूंकनोध वषो. (१४)

Que-5 Write Short notes on any two of the following. (14)

- (१) दशकुमारचरितम् - शीर्षक (The title - दशकुमारचरितम्).
- (२) दण्डिनः पदलालित्यम्।
- (३) मित्रगुप्तनुं पात्र (Character of मित्रगुप्त)
- (४) नितम्बवत्या वृतांतम्।

647510

BA02SanC104x

Seat No : \_\_\_\_\_

B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination  
March/April -2019 (New Course)

SANSKRIT P4: MAHABHARAT-SABHAPARV (NIYAT ADHYAY)(CORE)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

- प्रश्न-१ नीयेनामांथी डीठपण्ण ढे श्वीडीनुं आवश्यक विवरण साधे भाषांतर करो. (१४)
- (१) कश्चिन्न लोभान्मोहाद्वा विश्रम्भात्प्रणयेन वा।  
आश्रितानां मनुष्याणां वृत्तिं त्वं संरूणत्सि च॥
- (२) तेजसा सूर्यसदृशः क्षमया पृथिवीसमः।  
यमान्तकसमः कोप श्रिया वैश्रवणोपमः।
- (३) न शौरिणा विना पार्थो न शौरिः पाण्डवं विना।  
नाजेयोऽस्त्यनयोर्लोके कृष्णयोरिति मे मतिः॥
- (४) द्वारं च विवृताकारं ललाटेन समाहनत्।  
संवृतं चेति मन्वो नो द्वारदेशादुपारमत्॥
- प्रश्न-२ महाभारतना कर्तनी विस्तृत परिचय आपो. (१४)
- अथवा
- प्रश्न-२ 'यत्र भारते तत्र भारते' - विधाननी यर्था करो.
- प्रश्न-३ महाभारतना संस्करणो पर समीक्षात्मक नोध वधो. (१४)
- अथवा
- प्रश्न-३ महर्षि व्यासनी शैवी पर विस्तृत नोध वधो.
- प्रश्न-४ महाभारतनी रथनाकाण नक्की करो. (१४)
- अथवा
- प्रश्न-४ 'शिशुपाववधप्रसंग' पर विस्तृत नोध वधो.
- प्रश्न-५ नीयेनामांथी डीठपण्ण ढे पर टूंकनोध वधो. (१४)
- (१) 'सभापर्व - शीर्षकः।  
(२) जरासन्धजन्मकथा।  
(३) मयदानवविरचितासभा।  
(४) चतुर्दशः राजदोषाः।

\*\*\*\*\*

## B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination

March/April -2019 (New Course)

## SANSKRIT P3: HITOPADESH-MITRALABH(ELECTIVE-2)

Time: 2:30 Hours

Instructions:

Marks: 70

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

- प्रश्न-१(अ) नीचेनामांथी कोष्ठपत्रे षे गृध्रं डोनुं भाषांतरं करो: (०८)
- (१) अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम्। एको वृद्धो व्याधः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरि ब्रूते - भोः पान्थाः इदं सुवर्णकङ्कणं गृहयताम्। ततो लोभाकृष्टेन केनचित्पान्थेनालोचिम् - भाग्येनैतत् संभवति। किन्वस्मिन्नात्मसंदेहे प्रवृत्तिर्न विधेया। यतः -  
अनिष्टादिष्टत्माभेदपि न गतिजार्यते शुभा।  
अत्रास्ते विषसंसर्गोऽमृतं तदपि मृत्यवे॥
- (२) अस्ति भागीरथीतीरे मृगटनाम्नि पर्वते महान् पर्कटीकृक्षः। तस्य कोटरे दैवदुर्वियाकाद गलितनखनयनो जरदगवनामा मृगः प्रतिवसति। अथ कृपया तज्जीवनाय तद्रवृक्ष वासिनः पक्षिणः स्वाहाराल्किचिदुद्धृत्य ददाति। तेनासौ जीवति। शावकानां रक्षणं करोति। अथ कदाचिद दीर्घकर्णनामा मार्जारः पक्षिशावकान्भक्षयितुं तत्रागतः। ततस्तमायान्तं दृष्ट्वा पक्षिशावकैर्भयाते कोलाहलः कृतः।
- (३) अस्ति कल्याणकटकवास्तव्यो भैखो नाम व्याधः। स चैकदा मृगमन्विष्यन् विन्ध्याटवी गतः। तेन तत्र व्यापादितं मृगमादाय गच्छता थोरकृतिः शकरोद्रष्टः। ततस्तेन व्याधेन मृगं भूमौ निधाय शूकरः शरेणाहतः। शूकरेणापि धनधोरगर्जनं कृत्वा स व्याधो मुष्कदेशे हतः संरच्छन्नद्रुम इव भूमौ निपपात।
- प्रश्न-१(ब) नीचेनामांथी कोष्ठपत्रे षे संदर्भे सङ्घितं समञ्जसो: (०६)
- (१) लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं कः समर्थः।  
(२) चक्रवत् परिवर्तन्ते दुःखानि च सुखानि च।  
(३) विधिरहो बलवानिति मे मतिः।  
(४) प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्।
- प्रश्न-२ भारतीय कथासाहित्यनो परिचय आपी प्राणीकथानुं स्वरूपं दर्शावो: (१४)
- अथवा
- प्रश्न-२ प्राणीकथानां उद्भवः अने विकासनी रूपरेखा आपो:  
प्रश्न-३ 'हितोपदेश'ना कर्तानो - ग्रंथकारनो विस्तारथी परिचय आपो: (१४)
- अथवा
- प्रश्न-३ 'हितोपदेश'नी शैलीनी सविस्तरं यथा करो:  
प्रश्न-४ 'हितोपदेश' ना 'मित्रवाल्मीकी' मांथी प्राप्तं यतो व्यवहारबोधं दर्शावो: (१४)
- अथवा
- प्रश्न-४ 'मित्रवाल्मीकी' कथायो आदर्श मित्रानुं यित्र रञ्जुं करो: - आ विधाननुं समर्थनं करो:  
प्रश्न-५ नीचेनामांथी कोष्ठपत्रे षे परं टूंकनोधं वधो: (१४)
- (१) विद्याप्रशंसा।  
(२) मित्रवाल्मीकी विश्वासघातनी कथायो:  
(३) वृद्धं यं दनदास वल्लिकनी कथा अने तेनो बोध  
(४) कर्पूरतिवक डायी अने शियाणनी कथा अने तेनो बोध.

\*\*\*\*\*

## B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination

March/April -2019 (New Course)

## SANSKRIT P4: RAMAYAN-SUNDARKAND (NIYAT SARGO)(ELECTIVE-2)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

## Instructions:

- All questions are compulsory.
- Figures to the right indicate marks.

|          |   |      |
|----------|---|------|
| प्रश्न-१ | नीचेनामांथी कोछपक्ष वे श्वोकोनुं आवश्यक विवरण साथे भाषांतर करो.                                   | (१४) |
| Que-1    | Translate any two of the following verses giving explanatory notes where necessary.               | (14) |
|          | (१) अहमिक्ष्वाकुनाथेन सगरेण विवर्धितः।<br>इक्ष्वाकुसचिवश्चायं नावसीदतुमर्हति॥                     |      |
|          | (२) अनिर्वेदः श्रियो मूलमनिर्वेदः परं सुखम्।<br>मूयस्तावद विचेष्यामि न यत्र विचयः कृतः॥           |      |
|          | (३) प्रियं जनमपश्यन्तीं पश्यन्तीं राक्षसीगणम्।<br>स्वगणेन मृगीं हीनां श्वगणेनावृतामिव॥            |      |
|          | (४) अपनेष्यति मां मर्ता त्वतः शीघ्रमरिन्दमः।<br>असुरेभ्यः श्रियं दीप्तां विष्णुस्त्रिभिखि क्रमैः। |      |
| प्रश्न-२ | रामायणनुं महाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो.   | (१४) |
| Que-2    | Evaluate Ramayan as an Epic.  | (14) |
|          | अथवा/OR   |      |
| प्रश्न-२ | वाल्मीकिनी शैली पर विस्तृत नोध लखो.   |      |
| Que-2    | Write detailed note on style of Valmiki.  |      |
| प्रश्न-३ | अशोकवाटिकां रावणे सीताने आपेवां प्रबोलेनो अने धमकीओ तथा ते अंजे सीतानो प्रतिभाव वर्णवो.           | (१४) |
| Que-3    | Narrate the reflections of सीता that temptations and threats given by रावण in अशोकवाटिका.         | (14) |
|          | अथवा/OR   |      |
| प्रश्न-३ | रामायणकावीन समाज विशे सविस्तार नोध लखो.   |      |
| Que-3    | Write in detail about the contemporary society in रामायण.   |      |
| प्रश्न-४ | रामायणनी ऐतिहासिकता पर नोध लखो.   | (१४) |
| Que-4    | Write a note on the historicity of रामायण.  | (14) |
|          | अथवा/OR   |      |
| प्रश्न-४ | 'सुंदरकांड' मां व्यक्त थता हनुमानना व्यक्तित्व विशे विस्तृत नोध लखो.                              |      |
| Que-4    | Write a detailed note on personality of Hanuman as reversal in Sundarkanda.                       |      |
| प्रश्न-५ | नीचेनामांथी कोछपक्ष वे पर टूंकनोध लखो.  | (१४) |
| Que-5    | Write Short notes on any two of the following.  | (14) |
|          | (१) सुरसाप्रसङ्गः।  |      |
|          | (२) सुन्दरकाण्डम् - शीर्षक. (The title - सुन्दरकाण्डम्)   |      |
|          | (३) लंकावर्णनम्।  |      |
|          | (४) वाल्मीकिनुं जिवन (Life of Valmiki)  |      |

B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination  
March/April -2019 (New Course)

FCL SANSKRIT : KARNBHAR ANE MADHYAM VYAYOG(FCL)

Time: 2:30 Hours

Instructions:

Marks: 70

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

|             |  |      |
|-------------|--|------|
| प्रश्न-१(अ) | नीचेनामांथी कोष्ठपक्ष ढे श्लोकोनुं लाषांतर करो.  | (०८) |
| Que-1(A)    | Translate any two of the following verses.   | (08) |
|             | (१) ग्रहयुगलनिभाक्षः यीनविस्तीर्णयक्ष।<br>कनककपिकेश पीतकौशेययासाः।<br>तिमिरनिवहुवर्णः पाण्डरोद्वृत्तदंष्ट्रो<br>नव इव जलगमो लियमोनेन्दुलेख॥    |      |
|             | (२) सिंहाकृतिः कनकतालसमानबाहु<br>मध्ये तनुगरूडपक्ष विलिप्तपक्ष।<br>विष्णुभवेन्द्र विकसिताम्बुजपत्रनेत्रो<br>नेत्र ममाहरित बन्धुरिवागतोऽव्यं॥   |      |
|             | (३) अयं च कालः क्रमलब्धशोभनो<br>गुणप्रकर्षो दिवसोऽयमागतः।<br>निरर्थमस्त्वं य मया हि शिक्षितं<br>पुनः य मातुर्वयनेन वारितः॥                     |      |
|             | (४) अङ्गौ सहैव जनितं मम देह रक्षा<br>देवासुररपि न भेदभिदं सहस्त्रैः।<br>देयं तथापि कवचं सह कुण्डलाभ्यां<br>प्रित्या मया भगवते रूचितं यदिस्यति॥ |      |
| प्रश्न-१(ब) | नीचेनामांथी कोष्ठपक्ष ढे ससंदर्भे समजावो.  | (०६) |
| Que-1(B)    | Explain with reference any two of the following  | (06) |
|             | (१) माता किल मनुष्याणां देवतानां च दैवतम्।   |      |
|             | (२) अयं तु दक्षिणो बाहुरायुधं सहजं मम।   |      |
|             | (३) बुद्ध्या मां च शशाप कालविफलान्यस्त्राणि ते सन्तिवति।   |      |
|             | (४) हुतं य दत्तं च तथैव तिष्ठिति।  |      |
| प्रश्न-२    | भासना जीवन - कवन विशे विस्तृत माडिती आपो:  | (१४) |
| Que-2       | Describe about life and literature of BHASA in detail.<br>अथवा/OR  | (14) |
| प्रश्न-२    | "भास समस्या" विशे विगते यर्था करो:   |      |
| Que-2       | Describe Bhasa problem in detail.  |      |
| प्रश्न-३    | "मध्यमव्यायोग" ना आधारे भासनी नाट्य शैलीनी परिचय आपो.  | (१४) |
| Que-3       | Describe the dramatic style of the Dramatics (madhayamvyayog) .<br>अथवा/OR   | (14) |
| प्रश्न-३    | मध्यम व्यायोगनी आधार सामग्री अने तेमां करेवा डेरडार वर्णवो.  |      |
| Que-3       | The fundamental context of 'मध्यम व्यायोग' and describe changes done in it.  |      |
| प्रश्न-४    | 'कर्णभार ना आधारे कर्णनुं पात्रावेधन करो.  | (१४) |
| Que-4       | Character sketch of 'कर्ण' according to कर्णभारम्.<br>अथवा/OR  | (14) |
| प्रश्न-४    | भासकाविन समाज विशे विस्तृत यर्था करो.  |      |
| Que-4       | Discuss in detail about Bhaskalin Society.   |      |
| प्रश्न-५    | नीचेनामांथी कोष्ठपक्ष ढे पर टूकनोध वपो.  | (१४) |
| Que-5       | Write Short notes on any two of the following.   | (14) |
|             | (१) घटोत्कचनुं पात्रावेधन. (Character sketch of घटोत्कच।)  |      |
|             | (२) कर्णभारशीर्षकम्  |      |
|             | (३) भासोहासः   |      |
|             | (४) भाससमय।  |      |

**B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination**  
**March/April -2019 (New Course)**  
**COMPULSORY ENGLISH(FND)**

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

**Instructions:**

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

Q-1(A) Answer in one sentence. (Any Eight)

(08)

- (1) Who was Nachiketa?
- (2) What great Yojna did Vajasrawas perform?
- (3) Who was Miriam?
- (4) What did Ali give to Lakshmi Das?
- (5) What did Malasha and Akulya do when their parents were quarreling?
- (6) What kind of poem is 'IF'?
- (7) Who are the Gods mentioned in the poem, 'The World is too much with Us'?
- (8) What is the message of the poem, 'The Mountain and the Squirrel'?
- (9) Whom is the poem 'If' addressed to?
- (10) How was Akulya's frock splashed?

Q-1(B) Answer in brief.(Any Three)

(06)

- (1) What is the theme of the poem, 'IF'.
- (2) Why does Wordsworth say that we are out of tune?
- (3) Why did Ali give up hunting?
- (4) Why was Yama pleased with Nachiketa?

Q-2 Write Short-notes on any two of the following:

(14)

- (1) The theme of the poem, 'The world is too much with Us'.
- (2) 'Little Girls wiser than men' – the title.
- (3) Coachman Ali.
- (4) Meeting between Nachiketa and the God of Death.

Q-3(A) Fill in the blanks with appropriate auxiliary verbs.

(07)

- (1) \_\_\_\_\_ you finished the cake? (Had, Have, Has)
- (2) What \_\_\_\_\_ he do every day? (does, do, did)
- (3) The robot \_\_\_\_\_ not do its own cleaning. (did, do, does)
- (4) They \_\_\_\_\_ not dancing at the party last night. (were, was, be)
- (5) The cows \_\_\_\_\_ grazing here. (am, are, is)
- (6) Shubha \_\_\_\_\_ finished her work before Shreya reached there. (had, have, has)
- (7) Gautam \_\_\_\_\_ drawing a picture just now. (am, is, are)

Q-3(B) Fill in the blanks with appropriate forms of verbs given in the brackets.

- (1) Prachi \_\_\_\_\_ English fluently. (to speak)  
(2) My father \_\_\_\_\_ just \_\_\_\_\_ out. (to go)  
(3) Look ! He \_\_\_\_\_ the road. (to cross)  
(4) I \_\_\_\_\_ you in the market yesterday. (to see)  
(5) It \_\_\_\_\_ for three hours. ( to rain)  
(6) I wish I \_\_\_\_\_ a writer. (to become)  
(7) They \_\_\_\_\_ a friendly hockey match in the evening. (to play)

Q-4(A) Complete the following dialogue.

- Mr. Pandit : What is your name?  
Heeta : \_\_\_\_\_  
Mr. Pandit : Where are you from?  
Heeta : \_\_\_\_\_  
Mr. Pandit : What is your qualification?  
Heeta: : \_\_\_\_\_  
Mr. Pandit : What is your hobby?  
Heeta : \_\_\_\_\_  
Mr. Pandit : How many languages do you know?  
Heeta : \_\_\_\_\_  
Mr. Pandit : Very good. We will call you after a week.  
Heeta : \_\_\_\_\_

Q-4(B) Write dialogue between two students talking about their future career.

Q-5(A) Write a letter to your cousin inviting her to spend the Diwali holidays with you.

OR

Q-5(A) Write a letter to your mother seeking permission to go on a study tour.

Q-5(B) Write a report on the annual function in your college.

OR

Q-5(B) Write a report on 'Swachhata Abhiyan Camp organized by the college.

\*\*\*\*\*

**B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination**  
**March/April -2019 (New Course)**  
**COMPULSORY HINDI : YASHODHARA(FND)**

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

**Instructions:**

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

- प्रश्न १ कविवर मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व का परिचय दीजिए। (१४)  
अथवा
- प्रश्न १ 'यशोधरा' काव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (१४)  
प्रश्न २ 'यशोधरा' के काव्य रूप की सविस्तृत चर्चा कीजिए। (१४)  
अथवा
- प्रश्न २ 'यशोधरा' काव्य के आधार पर 'यशोधरा' का चरित्र – चित्रण कीजिए। (१४)  
प्रश्न ३ 'यशोधरा' काव्य के आधार पर गुप्तजी की नारी भावना का परिचय दीजिए। (१४)  
अथवा
- प्रश्न ३ भावपक्ष एवम् कलापक्ष की दृष्टि से 'यशोधरा' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। (१४)  
प्रश्न ४ किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:  
(१) 'यशोधरा' शीर्षक की सार्थकता।  
(२) 'यशोधरा' में आधुनिक युगबोध।  
(३) 'यशोधरा' काव्य का राहुल।  
(४) 'यशोधरा' काव्य में प्रकृति – चित्रण। (०७)
- प्रश्न ५ (अ) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:  
(१) मेरा प्रिय साहित्यकार।  
(२) आतंकवाद एक समस्या।  
(३) पर्यावरण सुरक्षा।  
(४) हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी। (०७)
- प्रश्न ५ (ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए:  
संसार में पाप कुछ भी नहीं है। वह केवल मनुष्य के दृष्टिकोण की विषमता का दूसरा नाम है। प्रत्येक व्यक्ति एक विशेष प्रकार की मनःप्रकृति लेकर उत्पन्न होता है। प्रत्येक व्यक्ति इस संसार के रंगमंच पर एक अभिनय करने आता है। अपनी मनःप्रवृत्ति से प्रेरित होकर अपने पाठ को वह दोहराता है। यही मनुष्य का जीवन है। मनुष्य जो कुछ करता है, वह उसके स्वभाव के अनुकूल होता है और स्वभाव प्राकृतिक है। मनुष्य कर्ता नहीं है, केवल साधन है। फिर पाप और पुण्य कैसा? हम न पाप करते हैं और न पुण्य करते हैं। हम केवल वही करते हैं, जो परिस्थितिवश करना पड़ता है।  
अथवा
- प्रश्न ५ (ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए:  
डीन लावनाने दूर करवानी रामबाण दवा अे छे डे आपणे आपणी सीमाओने समज्ज्जे. आकाशना तारा तोडवानुं आपणा माटे शक्य न डोय तो आ पृथ्वी पर डरीडाएने आपणे पोतानी छ्छा पूरी करवी जोछ्छे. अशक्य पाछण दोडवुं अे रोगने निमंत्रण आपवा बरोबर छे. बीजा बोडो आपणाथी विशिष्ट डोय तेथी शुं थयुं? आपणे पण शक्ति अने बुद्धिनी विकास करी विशिष्ट बनी शकीअे छीअे, मात्र छ्छाओनी जण डेक्वाथी यंद्र धरती पर डितरी आवतो नथी. लगीरथ प्रयत्न थी ज गंगाने पृथ्वी पर डतारी शकाय छे.